25/11/25 पत्रावली पेश हुई। अवलोकन हुआ।
मूल वाद डिक्री किया जा चुका है। इसलिए
इसमें आगे कार्यवाही किया जाना उचित नहीं
है। यह पत्रावली मूल वाद के स्तर पर
ड्रोप की जाती है। पत्रावली फैसल शुदा
होकर नकल से कम हो। वाद प्रति मूल
वाद के साथ संलग्न रहे।

उपखण्ड अधिकारी
बहरोड़ (कोटपूतली-बहरोड़)